



Index

7.2.1. Best practice 2 (Additional file- I)

Sl. No.	Particulars	Page no.
1.	Crop residue management using biodecomposer by the university	2
	at KVK Kotwa, Azamgarh (U.P.)	
2.	Hands-on training on crop residue management by the university	3
	at Kotwa, Azamgarh (U.P.)	
3.	Five days training programme on crop residue management	4
	organized by the university at KVK Sohna, Sidharthnagar (U.P.)	
4.	Five days training programme on crop residue management	5
	organized by the university at KVK Kotwa, Azamgarh (U.P.)	
5.	Awareness programme on crop residue management published in	6
	news paper	
6	Village level awareness programme on crop residue management	7
	organized by the university at KVK Sohna, Sidharthnagar (U.P.)	
7	Awareness programme on mobilization of students (assay,	8
	painting and quiz) under crop residue management organized by	
	the university at Chhatrapati Shivaji Smarak Inter College,	
	Sidharthnagar (U.P.)	
8	Kisan Mela organized a on crop residue management and happy	9
	seeder (live demonstration)	
9	Crop residue management using power shredder cum mulcher at	10
	university farms	
10	Crop grown in crop residue managed field at Kotwa, Azamgarh	11
	(U.P.)	
11	University scientists visited at farmer's field (crop residue	12
	managed field) in Azamgarh (U.P.)	
12	Crop residues used for mulching	13





CROP RESIDUE MANAGEMENT USING BIODECOMPOSER BY THE UNIVERSITY AT KVK KOTWA, AZAMGARH (U.P.)







HANDS-ON TRAINING ON CROP RESIDUE MANAGEMENT BY THE UNIVERSITY AT KOTWA, AZAMGARH (U.P.) DURING 29-30 NOVEMBER, 2021







FIVE DAYS TRAINING PROGRAMME ON CROP RESIDUE MANAGEMENT ORGANIZED BY THE UNIVERSITY AT KVK SOHNA, SIDHARTHNAGAR (U.P.)







FIVE DAYS TRAINING PROGRAMME ON CROP RESIDUE MANAGEMENT ORGANIZED BY THE UNIVERSITY AT KVK KOTWA, AZAMGARH (U.P.)







AWARENESS PROGRAMME ON CROP RESIDUE MANAGEMENT **PUBLISHED IN NEWS PAPER**

अवशेष प्रबंधन के बारे में किसानों को किया जाग

हो जिसास स्टेंड के प्रस्पांचा में बार को कृषि विज्ञान केंद्र सोहना सच्चकार में प्रसान अवरेश संदान संस्थाना अयोजित की गाँ। इसमें अक्सनों को फसरा प्रवरोध प्रवंधन के लाध बताए गए। केंद्र के फरान सरक्ष कथि ज नव ह प्रदीप क्यार ने फरा क प्रवास अवश्र के जनाने से प्रयोक्तन में स्थानेन हुई आवसाहत, बार्डन मीनी आवसाइट, सल्फर मन्त्री हे स्थास्थ्य संबंधी समस्याएं



कुसल अवशेष प्रकान के बारे में किसानों को संबंधित करते हा . प्रदीव कमार 🔹 मानर पा

एसऐस् सिंह ने किसानें को बताया उबालें। ठंडा करें और इसके बाद

हा काइट, सुझा कण जैसे कि फसेन अवसेंगों को खेत में ही हिकंपीज़र की एक कैप्सून को धेलें इस दौरान मनह हकीमुलाह जिसास ताब धनकर पराओं एवं डिकंपीजर की सहायता से सड़ाएं। और घील को 3 से 4 दिन के लिए शिवपूजन, तुलसीराम, पररासम् 25 लीटर पानी में 1 से 2 किलोग्राम स्ख दें। इसके बाद 10 लीटर प्रति धर्मेंद्र राधेश्याम, नीबर, राजकमा ि है। वृषि प्रसार वैज्ञानिक टा. गृह को मिलाकर हल्की आंच पर एकड़ प्रयोग करें। इससे 20 से 25 पलटन आदि किसन बौज्द स्ट्रे

दिन में फसल अवशेष सहकर खाट बन जायेगा। बीज वैज्ञानिक हा, सर्वजीत ने बताय को एक टन धान अवशेष में लगभग 5.5 किलोग्राम नत्रजन, 23 किलोग्राम फास्मोरस 2.5 किलीग्राम पोटाश और 1.2 किलोग्राम सल्पन और 400 किलोग्राम कार्बन होता है। प्रगतिशोल किसानों ने भविष्य में भी फरान अवरोष को ना जलाने के लिए सबी किसान धाई के साध में संकल्प लिया कि हम फसल नहीं जनवंगे।

फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जागरूक हुए किसान

सोहना, सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के परिक्षेत्र अंतर्गत चरगवां गांव में शुक्रवार को इन सीटू फसल अवशेष प्रवंचन योजना के तहत गांव स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल अवयेष जलाने से होने वाले हानियों के बारे में जागरूक किया 🛭 इसलिए किसान फसल अवशेष न जलाकर खेत में ही सड़ाएं।





VILLAGE LEVEL AWARENESS PROGRAMME ON CROP RESIDUE MANAGEMENT ORGANIZED BY THE UNIVERSITY AT KVK SOHNA, SIDHARTHNAGAR (U.P.)









AWARENESS PROGRAMME ON MOBILIZATION OF STUDENTS (ASSAY, PAINTING AND QUIZ) UNDER CROP RESIDUE MANAGEMENT ORGANIZED BY THE UNIVERSITY AT CHHATRAPATI SHIVAJI SMARAK INTER COLLEGE, SIDHARTHNAGAR (U.P.)







KISAN MELA ORGANIZED A ON CROP RESIDUE MANAGEMENT (BANNER)



HAPPY SEEDER (LIVE DEMONSTRATION)







CROP RESIDUE MANAGEMENT USING POWER SHREDDER CUM MULCHER AT UNIVERSITY FARMS









CROP GROWN IN CROP RESIDUE MANAGED FIELD AT KOTWA, AZAMGARH (U.P.)







UNIVERSITY SCIENTISTS VISITED AT FARMER'S FIELD (CROP RESIDUE MANAGED FIELD) IN AZAMGARH (U.P.)







CROP RESIDUES USED FOR MULCHING



